प्रश्न-. भारत के लिए बांग्लादेश की क्या प्रासंगिकता है? साथ ही यह भी बतायें कि क्या बांग्लादेश में उभरते चरमपंथ की लपटें भारत तक भी आ पहुँची हैं? चर्चा करें। (200 शब्द)

What Significance Bangladesh has for India? And along with it mention that the rising flames of extremism in bangladesh has reached India too.Discuss. (200 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में भारत-बांग्लादेश के संबंधों की पृष्ठभूमि को संक्षिप्त में समझाऐं।
- अगले पैरा में भारत के लिये बांग्लादेश कितना प्रासंगिक है? लिखें (पाइन्ट में भी लिख सकते हैं)
- फिर अगले पैरा में या बिन्दुओं के रूप में उभरते चरमपंथ से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को लिखें।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

भारत बांग्लादेश का महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है एवं विभिन्न उतार-चढ़ाव भरे संबंधों के बावजूद अनेक कारणों से बांग्लादेश अपने निर्माण से अब तक सदैव भारत के लिये प्रासंगिक रहा है।

- बांग्लादेश की भौगोलिक अवस्थिति ऐसी है कि वह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की मुख्यभूमि तक संपर्क मार्ग प्रदान कर 'सिलीगुड़ी गलियारे' पर भारत की निर्भरता को कम कर सकता है।
- भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' को मूर्तरूप देने में बांग्लादेश की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।
- भारत, भूटान, इंडिया व नेपाल मोटर वाहन समझौता (BBIN-MV) में जहां बांग्लादेश एक महत्वपूर्ण पक्ष है, वहीं वह SAARC, BIMSTEC जैसे क्षेत्रीय सहयोग समझौतों में प्रमुख भागीदार है। अतः क्षेत्रीय शांति एवं विकास को बढ़ावा देने में अहम सहयोगी है।
- वह दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव एवं कट्टरपंथी शक्तियों का मुकाबला करने में भारत का सहयोग कर सकता है।
- ब्लू इकोनॉमी और मेरीटाइम डोमेन की सुरक्षा के लिहाज से भी बांग्लादेश भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश में बढ़ते चरमपंथ से भारत पर पड़ने वाले प्रभाव-

बांग्लादेश का चरमपंथ कट्टरपंथी राजनीति का परिणाम है। बांग्लादेश में बढ़ते चरमपंथ का असर भारत में होता है जिससे भारत पर निम्न प्रभाव पड़ते हैं-

- सीमावर्ती इलाकों में हिंसा बढ़ती है। 2015-16 के दौरान पश्चिम बंगाल के बर्धमान में हुए बम-विस्फोटों को बांग्लादेशी चरमपंथियों से जोड़ा जाता है।
- चरमपंथियों के मजबूत होने से बांग्लादेश में पाकिस्तान की भूमिका बढ़ती है, जो भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है।
- गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश चरमपंथियों के संबंध रोहिंग्या शरणार्थियों से भी है, जिससे रोहिंग्या समूह में आतंकवादी हिंसा बढ़ रही है।
- बांग्लादेश में बढ़ता चरमपंथ पूर्वोत्तर में अलगाववादियों को मजबूत करता है।
- चरमपंथियों के बढ़ने से बांग्लादेश में भारत विरोधी प्रचार बढ़ रहा है।

अंत में संक्षिप्त व संतुलित व सारगर्भित निष्कर्ष लिखें।

नोट:
प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।